सत्यमेव जयते

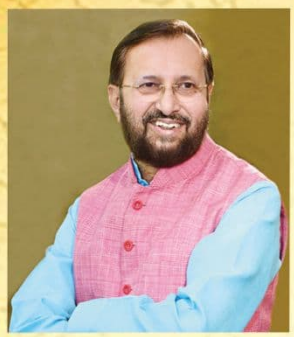

प्रकाश जावडेकर
मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन,
सूचना और प्रसारण तथा
भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम
भारत सरकार

अपील

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

चिरकाल से भाषाएं, सभ्यता और संस्कृति की वाहक रही हैं। भाषाएं राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम बन सकती हैं। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में हमें हिंदी के साथ-साथ अन्य सभी भाषाओं का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा। यह सर्वविदित है कि राष्ट्र निर्माण में हिंदी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में, भारत की संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भाषा को भारतीय गणराज्य की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था।

आज हिंदी का महत्व राजभाषा, संपर्क भाषा और विश्वभाषा के रूप में बढ़ रहा है। राजभाषा हिंदी की स्वीकार्यता और देश में हिंदी-भाषियों की बहुलता के कारण हिंदी सरकार की नीतियों तथा योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे कारगर माध्यम हो सकती है। इससे हमें 'न्यू इंडिया' के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी आसानी होगी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय सीधे-सीधे जन साधारण से जुड़ा है। मंत्रालय के कार्यों के स्वरूप को देखते हुए हमारा सामूहिक कर्त्तव्य बन जाता है कि हिंदी भाषा के माध्यम से शासन में जन साधारण की सहभागिता बढ़ाते हुए भारतीय लोकतंत्र को और मजबूती प्रदान करने हेतु हम अपना सरकारी कामकाज हिंदी में करें। सरल एवं सहज भाषा का उपयोग करते हुए सभी को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करें, यही मेरी कामना है। मेरा विश्वास है कि ऐसे प्रयासों से सरकार और जनता के बीच संवाद सहज हो सकेगा। संविधान सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किए जाने के कारण सभी का यह दायित्व बनता है कि हम सब मिलकर आत्मीयता के भाव से राजकीय कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें।

आइए, हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम स्वयं अपना राजकीय कार्य हिंदी में करेंगे और अन्य सभी को भी अपना कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करेंगे।

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2020

(प्रकाश जावडेकर)